

21 <sup>03</sup>/<sub>25</sub>

कवील पसकारान उप०) कवील प्राची को शत्रुघ्न  
के नोक्स लम्बे करवाने हेतु कार-कार मरकर  
दिये जाने के बाद भी कवील प्राची द्वारा शत्रुघ्न  
के नोक्स पैदा गली क्रिये गये थे तब प्राची का प्राण  
शयन लक्ष्मी में खारिज किया जाता है फाल्गुनी केसला  
बुमार वकार नकार से काम की जलर काविल दस  
हो

*Rayendra*